

सम्पादकीय



वैश्विक सहयोग और लोकतांत्रिक संवाद की नई दिशा

ब्रिक्स संसदीय मंच का दो दिवसीय सम्मेलन वैश्विक राजनीति, आर्थिक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा सकता है। आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों से गुजर रही है, तब विभिन्न देशों की संसदों के प्रतिनिधियों का एक मंच पर एकत्र होना केवल विचारों के आदान-प्रदान का अवसर नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सहयोग और साझा विकास की संभावनाओं को मजबूत करने का माध्यम भी है। ब्रिक्स देशों के बीच संसदीय संवाद का विशेष महत्व है, क्योंकि ये देश विश्व की बड़ी आबादी, उभरती अर्थव्यवस्थाओं और बदलती वैश्विक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ब्रिक्स मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के सहयोग से विकसित हुआ समूह है। समय के साथ इसके सदस्य देशों का दायरा बढ़ा है और इसका महत्व भी व्यापक हुआ है। आज यह समूह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में विकासशील देशों की भागीदारी बढ़ाने, बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अधिक संतुलित प्रतिनिधित्व की मांग को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। ऐसे में संसदीय मंच की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि संसदें जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय नीतियों की प्रतिनिधि संस्थाएँ हैं।

डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बढ़ता प्रभाव भी संसदीय चर्चा का महत्वपूर्ण विषय है। तकनीक ने प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के क्षेत्र में नई संभावनाएँ पैदा की हैं, लेकिन इसके साथ डिजिटल असमानता, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी चिंताएँ हैं। संसदों का दायित्व है कि वे ऐसे कानून और नीतियां बनाने में सहयोग करें, जिनसे तकनीकी विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। तकनीक का उद्देश्य केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और बेहतर बनाना भी होना चाहिए।

ब्रिक्स संसदीय मंच वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार के प्रश्न को भी नई दिशा दे सकता है। लंबे समय से विकासशील देश अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अपनी आबादी और आर्थिक योगदान के अनुरूप अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर चर्चा के लिए यह मंच उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि, इस दिशा में प्रगति के लिए सदस्य देशों के बीच सहमति, पारदर्शिता और निरंतर संवाद आवश्यक हैं। केवल मांग उठाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उसे व्यवहार में बदलने के लिए साझा प्रयास भी करने होंगे।

भगदड़ की त्रासदी

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में धार्मिक आयेोजनों, त्योहारों, राजनीतिक रैलियों, खेल समारोहों और रेलवे स्टेशनों पर लाखों लोगों की उपस्थिति सामान्य बात है। ऐसी विशाल भीड़ यदि वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधित न हो, तो कुछ ही क्षणों में भयावह भगदड़ में बदल सकती है। भगदड़ केवल भीड़ के दौड़ने का परिणाम नहीं होती, बल्कि अत्यधिक भीड़-घनत्व, अनियंत्रित दबाव और निकासी व्यवस्था की विफलता से उत्पन्न होने वाली मानव-निर्मित आपदा है। अक्टूबर 2०26 में कोलकाता दुर्गा पूजा के दौरान हुई भगदड़, जिसमें 19 लोगों की मृत्यु हुई, ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक तकनीक और अनुभव होने के बावजूद भारत में भीड़ प्रबंधन की गंभीर कमियां बनी हुई हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस समस्या को कानून-व्यवस्था के बजाय आपदा जोखिम न्यूनीकरण के दृष्टिकोण से देखा जाए।

भारत में भगदड़ की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण क्षमता से अधिक भीड़ का एकत्र होना है। अनेक धार्मिक आयेोजनों में श्रद्धालुओं की संख्या अनुमान से कहीं अधिक पहुँच जाती है, जबकि स्थल की वहन क्षमता सीमित होती है। प्रयागराज महाकुंभ 2025 की घटना ने दिखाया कि जब निर्धारित क्षमता से अधिक लोग एक साथ किसी स्थान पर पहुँचते हैं, तो भीड़ का दबाव स्वयं मृत्यु का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रति वर्ग मीटर छह से अधिक लोगों का घनत्व अत्यंत खतरनाक स्थिति उत्पन्न कर देता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण आकाशमूर्त संरचना की कमियाँ हैं। संकरे प्रवेश द्वार, अपर्याप्त निकास मार्ग, टूटे हुए बैरिकेड, अस्थायी पुल और अव्यवस्थित गलियारे लोगों की आवाजाही को बाधित करते हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 2०25 में हुई भगदड़ ने यह दिखाया कि सीमित प्लेटफॉर्म, भीड़भाड़ वाले फुटओवर ब्रिज और अनियोजित यात्री प्रवाह किस प्रकार दुर्घटना को जन्म देते हैं। जब हजारों लोग एक ही दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं, तो पीछे का दबाव आगे खड़े लोगों को गिरा देता है।

तीसरा कारण अचानक उत्पन्न होने वाली भीड़ की लहर है। अफवाह, मौसम में अचानक बदलाव, बिजली गुल होना, किसी वीआईपी के आगमन की सूचना या किसी खतरे की आशंका कुछ ही सेकंड में लोगों को एक साथ भागने पर मजबूर कर सकती है। कोलकाता दुर्गा पूजा 2०26 में भारी वर्षा और अव्यवस्थित निकासी ने ऐसी ही स्थिति पैदा की। अक्सर लोग वास्तविक खतरे से नहीं, बल्कि दूसरों को भागते देखकर स्वयं भी दौड़ पड़ते हैं।

चौथा कारण आयेोजनों की कमजोर योजना और जोखिम आकलन की कमी है। कई आयेोजनों में आगंतुकों की संभावित संख्या का वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाया जाता। प्रवेश और निकास के समय का विभाजन नहीं किया जाता तथा भीड़ के अलग-अलग प्रवाह को नियंत्रित करने की व्यवस्था नहीं होती। बेंगलुरु में 2025 के आरसीबी विजय समारोह के दौरान भीड़ नियंत्रण की अपर्याप्त तैयारी ने इस समस्या को उजागर किया। पांचवां कारण विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है। पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, परिवहन विभाग और आयेोजन समिति के बीच स्पष्ट जिम्मेदारी का अभाव प्रतिक्रिया को धीमा कर देता है। आपातकालीन चिकित्सा सहायता समय पर न पहुँच पाने से कई घायल लोगों की जान चली जाती है। इन घटनाओं की रोकथाम के लिए सबसे पहले क्षमता-आधारित प्रवेश व्यवस्था लागू करनी होगी। बड़े धार्मिक और सार्वजनिक आयेोजनों में अग्रिम पंजीकरण, डिजिटल पास, समय-आधारित स्टांट तथा निर्धारित संख्या के बाद प्रवेश रोकने जैसी व्यवस्थाएँ प्रभावी सिद्ध हो सकती हैं।

व्यक्ति का मन

व्यक्ति कोशिश करता है कि मेरी तरफ से कोई गलती ना हो लेकिन फिर भी व्यक्ति गलती कर बैठता है। फिर व्यक्ति दोष लगता है यह मेरी वजह से नहीं हुआ है फिर जब व्यक्ति का मन उदास होता है तो वह सोचता है । आर यह गलती ना हुई होती तो कौन ऐसा ना हुआ होता क्योंकि व्यक्ति का मन बहुत भावुक है जो विचलित होता है उसके साथ हुई किसी भी प्रक्रिया से।



करिश्मा गुज्जर (खारी)

डा. वरिंदर भाटिया

क्या उचित कदमों से सरकारों द्वारा संस्थानों दी जा रही वित्तीय सहायता को और ज्यादा तर्कसंगत नहीं बनाया जा सकता? उच्च शिक्षा से जुड़े हर शिक्षक को स्वयं लगातार पढ़ने वाला व्यक्ति होना चाहिए। जिस किसी शिक्षक ने वर्षों से कोई नई पुस्तक, शोधपत्र या विषय-संबंधी सामग्री गंभीरता से नहीं पढ़ी, उससे विद्यार्थियों में बौद्धिक जिज्ञासा पैदा करने की अपेक्षा कैसे की जा सकती है। सुनने में आता है कि कुछेक तो एक बार नोट्स बना लेते हैं और बीस-बीस वर्ष छात्रों को वही बासी रोटी परोसते रहते हैं। न खुद अपडेट होते हैं, न छात्रों को अपडेट करते हैं...

कॉलेज और उच्च शिक्षा में पढ़ाई की अकादमिक गुणवत्ता में आ रही गिरावट एक गंभीर और चिंताजनक सामाजिक मुद्दा है। स्तरहीन उच्च शिक्षा के कारण ही स्कूल शिक्षा पूरी करने के बाद अधिकतर छात्र बड़े शहरों में या फिर विदेश में बेहतर शिक्षा के लिए जा रहे हैं। स्तरहीन और हल्की गुणवत्ता की उच्च शिक्षा वर्तमान समय में वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर एक गंभीर चिंता का विषय है।

जब किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली डिग्री बांटने वाले कारखानों में बदल जाती है और व्यावहारिक ज्ञान देने में विफल रहती है, तो उसे स्तरहीन शिक्षा कहा जाता है। शिक्षा का तेजी से बाजारीकरण हुआ है। कई निजी कॉलेज और विश्वविद्यालय केवल मुनाफे के लिए चल रहे हैं, जहां पढ़ाई से ज्यादा ध्यान फीस वसूलने पर होता है। ये उच्च शिक्षा में स्तरहीनता को बढ़ा रहे हैं। आजकल अनेक विश्वविद्यालयों द्वारा वित्तीय मजबूरी के चलते ओपन दाखिला प्रणाली को शुरू कर यानी कि खायती कॉलेज कोर्स खुरदू शुरू करके इन पुराने कॉलेज छात्रों की संख्या को कमजोर कर दिया गया है इसका नतीजा यह हो रहा है कि छोटे कस्बों और छोटे शहरों के अनेक कॉलेज छात्रों की एनरोलमेंट के लिए तसर रहे हैं और धीरे धीरे पैसेो की कमी के चलते बंद होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। उच्च शिक्षा के स्तरहीन होने

राजेंद्र शर्मा

हैरानी की बात नहीं है कि नीट परीक्षा लीक के बहाने, शिक्षा की बहाली तथा रोजगार के अभाव की युवाओं की चिंताओं के गिर्द और कॉकरोच जनता पार्टी तथा वामपंथी छात्र संगठनों की पहल पर, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को केंद्र में रखकर देश में विशेष कर युवाओं या जेन जी की गोलबंदी हुई थी, मोदी राज ने उसे भी अपने खिलाफ छात्रों-विदेशी षड्यंत्र बनाने की और शासन की ताकत के बल पर दबाने की हर मुमकिन कोशिश की थी।

बिहार में चुनाव के मौके पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामधारी सिंह दिनकर को याद करना नहीं भूलते हैं। लेकिन, लगता है कि इस महान कवि को उक्त कालजयी पंक्ति को समझ कर भी नासमझ बनने की मुद्रा अपनाने में ही प्रधानमंत्री ने अपना फायदा समझा है। वनां पिछले करीब हफ्ते भर से सत्ताधारी निजाम जिस तरह से अपने हटए जाने की देसी ही नहीं विदेशी तक साजिशों का सरसर झुठ शोर मचाकर, अपने राज में रचे गए चुनावों को ही बेमानी बना देने के संविधानविरोधी, जनतंत्रविरोधी षड्यंत्र पर पट्टा डालने की कोशिश कर रहा है, उसने दिनकर की उक्त पंक्ति को कब का राष्ट्र-विरोधी घोषित कर दिया होगा। क्योंकि कवि ने जनता की इच्छा के लिए, सिंहासन खाली करने की बात तो कही

कातिलाल मांडोत

मानव स्वभाव से सौम्य, संवेदनशील और सहयोगी प्राणी है। उसके भीतर प्रेम, करुणा, सहायभूति और पोषणकार की भावनाएँ विद्यमान रहती हैं, लेकिन जब वह आंग्रे, क्रोध और अनिश्चित इच्छाओं के वशीभूत हो जाता है, तब उसका विवेक कमजोर पड़ने लगता है। क्षणिक आवेश में लिया गया निर्णय कभी-कभी उसके पूरे जीवन को संकट में डाल देता है। इसलिए जीवन में थोड़ी-सी सावधानी, विचारों पर नियंत्रण और आत्मजागरूति का बहुत बड़ा महत्व है। मनुष्य यदि समय रहते अपने मन की चंचलता को पहचान ले और गलत दिशा में बढ़ते कदमों को रोक दे, तो अनेक अनर्थों से बच सकता है। जीवन की वास्तविक सफलता केवल उपलब्धियाँ प्राप्त करने में नहीं, बल्कि अपने व्यवहार और विचारों को संतुलित रखने में भी निहित है।

मनुष्य का स्वभाव स्थायी रूप से बुरा नहीं होता। परिस्थितियों, मानसिक तनाव, क्रोध, लोभ और आंग्रे कभी-कभी उसे ऐसे कार्य करने के लिए प्रेरित कर देते हैं, जिनका परचापार उसे बाद में होता है। अगर एक ऐसा प्रवाह है, जो व्यक्ति की विचारशक्ति को अपने साथ बहा ले जाता है। उस समय सही और गलत के बीच अंतर करना कठिन हो जाता है। व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए विवेक

के अनेक प्रशासनिक कारण भी हैं। कुछ रिपोर्ट बताती है कि कई संस्थानों में प्रभावी प्रशासन का अभाव है और शिक्षण और प्रशासनिक कार्यों में शिथिल स्टाफ की जवाबदेही तय नहीं हो पाती है। अनेक राज्यों में रेगुलर कॉलेज से प्रिंसिपल और वांछित शिक्षक ही नहीं हैं। मेधावी व्यक्ति कई बार शिक्षण कार्य को अन्य हकल्यों में सफलता न मिलने पर अंतित



विकल्प के रूप में चुन लेते हैं। ऐसे में ये लोग शायद अपने काम से न्याय नहीं कर पाते हैं। आज भी बहुसंख्या में छात्र केवल समय बिताने या डिग्री हासिल करने के लिए दाखिला लेते हैं। उनकी विषय की गहराई में जाने में कोई रुचि नहीं होती, न ही उन्हें क्लास हाजिरी की फिज़र होती है। कॉलेज और विश्वविद्यालयों को फीस देने वाले छात्र चाहिए, चाहे वे छात्र कैम्पस में आए या न आए, क्लास लगाएं या न लगाएं। यह सभी राज्यों में देखा जा रहा है।

एक शिक्षक छात्र के चेहरे के हाव-भाव देखकर समझ सकता है कि उसे विषय समझ आ रहा है या नहीं, जो ऑनलाइन स्क्रीन पर संभव नहीं है। छात्र अपने हमउम्र साथियों के साथ बैठते हैं, जिससे उनमें टीम वर्क, सहयोग और नतृत्व जैसे गुण विकसित होते हैं। अलग-

डिजिटल मोड ऑफ लर्निंग के चलते क्लासरूम पढ़ाई की मौलिकता और प्रसंगिकता भी खत्म होती जा रही है। यह शिक्षा की वह पारंपरिक और बुनियादी नींव है, जिसे डिजिटल युग की तकनीकें भी पूरी तरह से प्रतिस्थापित नहीं कर सकतीं। क्लासरूम सिर्फ ज्ञान प्राप्त करने की जगह नहीं है, बल्कि यह एक छात्र के सर्वांगीण विकास का प्राथमिक

अलग पृष्ठभूमि से आए बच्चों के साथ रहकर वे सामाजिक ताने-बाने और आपसी सम्मान को सीखते हैं। क्लासरूम का एक तय समय और समय-सारणी होती है, जो छात्रों के जीवन में समय प्रबंधन और अनुशासन की भावना पैदा करती है। घर के वातावरण की तुलना में क्लासरूम का माहौल पढ़ाई के लिए अधिक अनुकूल होता है, जिससे ध्यान भटकने की



संभावना कम होती है। क्लासरूम में केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन के मूल्य सिखाए जाते हैं। शिक्षक एक रोल मॉडल के रूप में छात्रों को ईमानदारी, धैर्य और कड़ी मेहनत की प्रेरणा देते हैं।

एक समय था जब माना जाता था कि अच्छे कॉलेज डिग्री मिलने के बाद अच्छे नौकरी और बेहतर सैलरी लगभग तय होती है। लेकिन अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं। केवल डिग्री हासिल करना ही सफलता की

सिंहासन खाली करो कि जनता आती है!

है, लेकिन इसमें साफ-साफ शब्दों में यह शर्त तो जोड़ी ही नहीं है कि चुनाव के जरिए जनता (की इच्छा) आती है!

यह और भी विडंबनापूर्ण है कि अपने विधियों और आलोचकों पर, चुनाव के जरिए सत्ता परिवर्तन के जनतांत्रिक तरीके के बजाए, अलोकतांत्रिक तरीकों से सत्ता परिवर्तन का षड्यंत्र रचने के आरोप, वही सत्ताधारी संघ-भाजपा गिरोह लगा रहा है, जिस पर इल्जाम ही यह है कि उसने पूरी तरह से पक्षपाती चुनाव आयोग के साथ मिलकर, ठीक चुनाव के जरिए सत्ता परिवर्तन का रस्ता ही रोकने का षड्यंत्र रचा है। दूसरे शब्दों में, सत्ताधारियों का विपक्ष पर अलोकतांत्रिक तरीकों से सत्ता परिवर्तन की कोशिश का आरोप, वास्तव में देश में चुनाव को ही निरर्थक बना देने के मौजूदा निजाम के इंतजामों का ही पूरक है। सत्ताधारियों को चिंता है कि इसका इंतजाम तो उन्होंने कर लिया है कि चुनाव के जरिए उन्हें सत्ता से हटया ही नहीं जा सकता है, लेकिन यह भी 'जनता के आ धमकने' से तो पूर्ण सुरक्षा नहीं देता है।

तानाशाहों को जनता के आने के खिलाफ सुरक्षा के लिए हमेशा राजकीय हिंसा की जरूरत होती है और जनता से पूर्ण सुरक्षा के लिए, उसकी हरेक हरकत को, हरेक आंदोलन को आपराधिक षड्यंत्र बना देने की।

अपने खिलाफ जनता के हरेक आंदोलन को, अपनी हरेक गंभीर आलोचना को, आपराधिक षड्यंत्र बना देने में वर्तमान मोदी-

शाह निजाम ने भारी महारत हासिल कर ली है। इस जनविरोधी और बुनियादी अर्थ में जनतंत्रविरोधी खेल के सिर्फ तीन खास उदाहरणों की यहां याद दिलाना ही काफी होगा—भीमा कोरोगांव षड्यंत्र केस, तीन काले कानूनों के खिलाफ देश के किसानों का ऐतिहासिक आंदोलन; और तथाकथित दिल्ली दंगा वृहत्तर षड्यंत्र केस। बेशक, ऐसे ही उदाहरण और भी अनेक हैं, लेकिन यहां इन तीन उदाहरणों का जिक्र सिर्फ यह रेखांकित करने के लिए किया जा रहा है कि मोदी निजाम ने, अपने नियंत्रण से बाहर जनता की हरेक गोलबंदी को, राष्ट्रविरोधी षड्यंत्र साबित करने कोशिश करने को नियम ही बना लिया है। और तो और, मोदी के सर्वाधिक कृपाप्राप्त, महा-धनानंद, अडानी की कोरोबारी धांधलियों और गड़बाड़ियों को उजागर किए जाने को भी वर्तमान निजाम ने हर बार, भारत-विरोधी षड्यंत्र बनाने की ही कोशिश की है।

इसलिए, हैरानी की बात नहीं है कि नीट परीक्षा लीक के बहाने, शिक्षा की बहाली तथा रोजगार के अभाव की युवाओं की चिंताओं के गिर्द और कॉकरोच जनता पार्टी तथा वामपंथी छात्र संगठनों की पहल पर, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को केंद्र में रखकर देश में विशेष कर युवाओं या जेन जी की गोलबंदी हुई थी, मोदी राज ने उसे भी अपने खिलाफ देशी-विदेशी षड्यंत्र बनाने की और शासन की ताकत के बल पर दबाने की हर

मुमकिन कोशिश की थी। यह दूसरी बात है कि दमन के उसके ये हथकंडे उसके लिए उल्टे पड़ गए और उसके अपने मध्यवर्गीय समर्थन

आधार में भी दररों पड़ने लगीं, जिसे संभालने की कोशिश में उसे अपनी हमारे राज में इस्तीफे नहीं होते की तानाशाहाना ठसक को छेड़कर, प्रधान का इस्तीफा लेना पड़ा।

लेकिन, तब तक खुल्लमखुल्ला सत्तापक्ष का पहरआ बन गए चुनाव आयोग की मदद से, मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर मजों के नाम जोड़ने और नापसंद नाम काटने के जरिए, चुनावों को प्रभावित करने के खेल को, मतदाता सूचियों के विशेष सचन पुनरीक्षण या एक्सआरआर के जरिए, सत्ताधारियों के हिसाब से मतदाताओं की चुनाव के स्तर पर पहुंचा दिया और वह भी खुल्लमखुल्ला मनमानी करते हुए। बंगाल के चुनाव में यह खेल एकदम ही खुलकर सामने आ गया, जहां केंद्र में सत्ताधारी भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए, न सिर्फ समूची चुनावी मशीनरी तथा चुनावों के दौरान प्रशासनिक मशीनरी को ठेक-पीटकर केंद्रीय सत्ता के प्रति वफादार बना दिया गया बल्कि पूरे सत्ताईस लाख मतदाताओं का मताधिकार घोषित रूप से छीनते हुए, जोकि टारिफ्ट तरीके से किया जा रहा था, चुनाव कराए गए, जिसने चुनाव को ही सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। ये लाखों मतदाता चुनाव के महीनों बाद भी अनिश्चितता के झूले ही में झूल रहे हैं, जबकि बंगाल में चुनाव आयोग की

मदद से कराए गए रिजीम चेंज या सत्ता परिवर्तन के बाद से, इनकी नागरिकता पर भी स्वाविलिय निशान लगा दिए गए हैं।

इसी सब की पृष्ठभूमि में, जब यह तथ्य सामने आया कि एसआईआर की प्रक्रिया में, जिससे अब भी देश का एक हिस्सा कवर नहीं हुआ है, पिछली मतदाता सूचियों में रहे पूरे 13 करोड़ 3० लाख नाम बाहर किए जा चुके हैं, जो कि दुनिया के आठ-दस सबसे बड़े देशों को छेड़कर, कहीं सभी देशों की आबादी से भी ज्यादा संख्या है, तो इस प्रक्रिया के साथ शुरूआत से ही लगा रहा 'वोट चोरी' का संदेह यकीन में बदल गया और इसकी आलोचनाएं एक जन-विक्षेप में। राजधानी दिल्ली में, जहां हर तीसरा मतदाता इसकी कैची के नीचे आ गया और दो चुनाव आयुक्तों समेत, अनेक वीआईपी मतदाताओं का वोट खतरे में आ गया, जिनके लिए चुनाव आयोग को संबंधित एगू में अलग से विशेष व्यवस्था भी करनी पड़ी लिए, न सिर्फ समूची चुनावी मशीनरी तथा चुनावों के दौरान प्रशासनिक मशीनरी को ठेक-पीटकर केंद्रीय सत्ता के प्रति वफादार बना दिया गया बल्कि पूरे सत्ताईस लाख मतदाताओं का मताधिकार घोषित रूप से छीनते हुए, जोकि टारिफ्ट तरीके से किया जा रहा था, चुनाव कराए गए, जिसने चुनाव को ही सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। ये लाखों मतदाता चुनाव के महीनों बाद भी अनिश्चितता के झूले ही में झूल रहे हैं, जबकि बंगाल में चुनाव आयोग की

इसी पृष्ठभूमि में आए इंडियन एक्सप्रेस तथा अन्य प्रकाशनों के रसुपोद्घाटनों ने विपक्ष की बदतरीन आशंकाओं की सचाई के सबूत पेश कर दिए।

अखिलेश यादव-आजम खान की मुलाकात पर भाजपा का हमला, कहा-गुंडाराज की वापसी चाहती है सपा

लखनऊ (एजेंसी)

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को रामपुर जेल में बंद पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान से मुलाकात कि, इस मुलाकात को 'एम' यानी मुस्लिम समीकरण को सहेजने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं इस मुलाकात को लेकर अब सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है।

पटना में बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस मुलाकात पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और आजम खान की यह मुलाकात दरअसल समाजवादी पार्टी के उसी पुराने, बदहाल, माफिया और दंगा राज को फिर से जिंदा करने की हताश कोशिश है। संजय सरावगी ने कहा, ‘जब-जब चुनाव नजदीक आते हैं, समाजवादी पार्टी को अपने उन लोगों की याद आती है, जिनके दौर में उत्तर प्रदेश में कानून का राज नहीं बल्कि



लुप्तिकरण और जमीनों पर अवैध कब्जे का राज चलता था। उत्तर प्रदेश की प्रबुद्ध जनता सीएम योगी आदित्यनाथ के सुशासन और विकास की प्रबुद्ध जनता सीएम योगी आदित्यनाथ के सुशासन और विकास के साथ खड़ी है। इन पुराने दागी चेहरों को इकट्ठा करने से समाजवादी पार्टी की तय हार टलने वाली नहीं है। उन्होंने आजम खान के पिछले कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए कहा, आजम खान क्या थे उस समय? गुंडाराज, जंगलराज, माफिया राज, जमीन कब्जा ही उनकी पहचान थी। इसलिए

उत्तर प्रदेश की जनता ये सब अच्छी तरह समझ चुकी है और जान चुकी है कि सपा का असली चेहरा क्या है। वहीं, मुंबई में भाजपा नेता राम कदम ने भी अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव पूरी तरह से भ्रम में हैं। अयोध्या सीट को लेकर उन्होंने अखिलेश पर तंज कसा। राम कदम ने कहा, जब अयोध्या की बारी आई तो शुरू में अखिलेश कह रहे थे कि

पटना में बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस मुलाकात पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और आजम खान की यह मुलाकात दरअसल समाजवादी पार्टी के उसी पुराने, बदहाल, माफिया और दंगा राज को फिर से जिंदा करने की हताश कोशिश है

चुनाव लड़ूंगा लेकिन जब सीएम योगी ने उन्हें चुनौती दी और खुद उनके सामने अयोध्या से लड़ने के लिए तैयार हो गए, तो एक माह बाद भी अखिलेश की चुप्पी नहीं टूटी। वह जानते हैं कि सीएम योगी के सामने अयोध्या या कहीं से भी लड़ें, उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा,

यही डर अखिलेश यादव की बिगड़ती हुई भाषा का कारण है। कभी चवन्नी कहते हैं, कभी पिछड़ें को लेकर गलत टिप्पणी करते हैं। और अब जब उनका बचा-खुचा जनाधार भी समाप्त हो रहा है, तब जेल में बंद असामाजिक तत्वों के कारण कारावास में रहने वाले आजम खान जैसे लोगों से मिलकर शायद किसी एक खास तबके को

खुश करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, आजम खान से मिलें या और किसी और से, उत्तर प्रदेश की जनता ने तय कर लिया है कि गुंडागर्दी करने वाले लोगों के लिए उस भूमि पर कोई जगह नहीं है।

पटना में जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने भी इस मुलाकात को लेकर सपा को घेरा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कुछ भी बदलने नहीं जा रहा है और एनडीए गठबंधन की फिर से सत्ता में वापसी होगी। राजीव रंजन ने कहा, विधानसभा चुनाव में उनके इस भ्रम का निवारण हो जाएगा। जनता अखिलेश यादव की राजनीति में विकास को दूर-दूर तक नहीं देखती। कभी पंडित, कभी पिछड़

कहकर सबको साधने की उनकी जो कोशिश रहती है, उसे मतदाताओं ने गंभीरता से नहीं लिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एनडीए को एकतरफा बढ़त मिलती दिख रही है। इसलिए अगली सरकार एक बार फिर सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही बनेगी। प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी की जोड़ी पर जनता को पूरा भरोसा है। उमर, लखनऊ में कांग्रेस प्रवक्ता सुंदर रजपूत ने इस मुलाकात को पारिवारिक और भावनात्मक रिश्ता करार दिया। सुंदर रजपूत ने कहा, यह पारिवारिक संबंध है, पिता-पुत्र जैसा संबंध है। आजम खान मुलायम सिंह यादव के साथी हैं। अखिलेश यादव अपने घर के चाचा से मिलने जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार पर आजम खान के उन्नीड़न का आरोप लगाते हुए कहा, आजम खान के खिलाफ जो अत्याचार, जो आतंक और जो गंदा काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है, उन्हें मुर्गी चोर बताया जा रहा है, किताब चोर बताया जा रहा है।

कानपुर : कार की छत पर हाथ फंसाकर युवक को डेढ़ किलोमीटर तक घसीटा

कानपुर (एजेंसी)



कानपुर के हनुमंत विहार थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुरानी रॉशिश के चलते कुछ युवकों ने पहले बीरू सिंह भदौरिया (37) को कार से टक्कर मारी और फिर उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने उसे कार की छत पर लिटकर करीब डेढ़ किलोमीटर तक तेज रफ्तार में गाड़ी चलाई। इस दौरान युवक के दोनों हाथ कार की आगे की खिड़कियों के शीशों में फंसाकर लॉक कर दिए गए।

परिजनों के मुताबिक, बीरू सिंह भदौरिया एक फूड प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी में सेल्समैन थे। वह मेला देखकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में मेवालाल कार लेकर पहुंचा। आरोप है कि कार में राजवीर समेत तीन अन्य युवक भी सवार थे। उन्होंने बीरू को रोककर उनके साथ मारपीट की। जब बीरू ने बचकर भागने की कोशिश की, तो उसे कार से टक्कर मार दी गई। पटना के बाद राहगीरों ने

पुलिस और परिजनों को मामले की सूचना दी। घायल बीरू को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत के बाद परिजनों ने इसे हादसा मानने के बजाय हत्या का मामला बताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि पूरी घटना 12 से अधिक सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई है। इसको लेकर परिजनों ने हंगामा भी किया। उनका कहना है कि मामले में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। एसीपी अभिषेक राहुल ने बताया कि 21 अक्टूबर को शिकायतकर्ता प्रदीप शुक्ला ने हनुमंत विहार थाने में एक लिखित शिकायत दी। इसमें उन्होंने बताया कि बीरू की मौत एक अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से हुई है।

बिहार में हादसा : मजदूरों से भरी पिकअप तीन बार पलटी, एक की मौत, 12 से 13 घायल

पटना/बाढ़ (एजेंसी)

बिहार के बाढ़ अनुमंडल में बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पटना-बख्तियारपुर फोरलेन पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। माधोपुर गांव के पास मजदूरों से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर ड्रिवाइडर से टकरा गई और इसके बाद तीन बार पलट गई। हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 से 13 मजदूर घायल हो गए। सभी मजदूर हाजीपुर में काम करने जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), बख्तियारपुर में भर्ती कराया। इनमें से दो मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर किया गया है। अन्य घायलों का इलाज बख्तियारपुर में चल रहा है। हादसे में जान गंवाने



वाले मजदूर की पहचान मल्लिक राय के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक और घायल मजदूर मोकामा थाना क्षेत्र के मेकरा और कन्हाईपुर गांव के रहने वाले हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, घायल मजदूरों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। घायल मजदूर अजय कुमार, जो कन्हाईपुर गांव के रहने वाले हैं, ने बताया कि वे रेलवे में काम करने के लिए जा रहे थे। उनके साथ पिकअप में करीब 20 से 25 मजदूर सवार थे।

दशहरा आयोजन में बवाल, महिलाओं समेत दो गुटों में मारपीट, डीजे पर अश्लील गाने बजाने का आरोप

पटना (एजेंसी) आलमगंज थाना क्षेत्र के ओल्ड सिटी कोर्ट के पास दशहरा आयोजन के दौरान मारपीट की घटना सामने आई है। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान कहीं महिलाएं आपस में भिड़ गईं, तो कहीं दो गुटों के बीच मारपीट हुई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। आयोजन के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने और कुछ जगहों पर अश्लील गाने चलाने के आरोप भी लगे हैं। इसे लेकर मौके पर मौजूद प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

आरोप है कि दशहरा आयोजन के दौरान डीजे की तेज आवाज में गाने बजाए जा रहे थे। बताया गया कि प्रशासन की ओर से डीजे पर पाबंदी की बात कही गई थी, इसके बावजूद लोग डीजे की धुन पर नाचते-गाते नजर आए। कुछ स्थानों पर अश्लील गाने बजाए जाने की भी बात सामने आई। इन आरोपों के बीच मौके पर तत्काल कार्रवाई नहीं होने को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं। घटना से जुड़े वीडियो में कुछ लोग आपस में मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में प्रशासन के कर्मी भी मौके पर मौजूद नजर आते हैं।

स्थिति बिगड़ने के बाद पुलिसकर्मियों ने दौड़कर लोगों को हटाने और हालात नियंत्रित करने का प्रयास किया। हालांकि, मारपीट किस वजह से शुरू हुई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे, इसे लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है। मारपीट के दौरान पूजा समिति के आयोजक मंच से लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते रहे। इसके बावजूद उनकी अपील का खास असर होता नजर नहीं आया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक रत्नेश कुशवाहा, मेयर के पुत्र शिशिर कुमार और पूजा समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। दशहरा जैसे सार्वजनिक आयोजन के दौरान मारपीट और कथित तौर पर प्रतिबंध के बावजूद डीजे बजाने के आरोपों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं।

अखिलेश यादव को आजम खान की नहीं, मुस्लिम वोटों की चिंता : नरेंद्र कश्यप

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अखिलेश यादव और आजम खान की मुलाकात पर सियासत गर्मा गई है। यूपी सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने इसे मुस्लिम समुदाय को साधने वाली मुलाकात बताते हुए कहा कि सपा को आजम खान की नहीं बल्कि मुस्लिम वोटों की चिंता है। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने कहा कि सपा नेता आजम खान जेल में हैं और उनको मुश्किलों का सामना कर पड़ रहा है। अखिलेश यादव को मुस्लिम फैक्टर की चिंता है लेकिन उन्हें आजम खान की भी तो चिंता होनी चाहिए थी, जो उन्हें नहीं है? अखिलेश यादव इतने स्वार्थी हो गए हैं कि समाजवादी पार्टी के बारे में सोचने के बजाय, अगर वे आजम खान की मुश्किलों के बारे में सोचते तो बेहतर होता। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश की जनता अब इस तरह की अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति को पसंद नहीं करती है। यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद के आरक्षण वाले बयान पर मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने कहा कि हम पिछले 40 सालों से कश्यप और निषाद समुदायों के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं।

इस मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बातचीत चल रही है। सरकार सही समय आने पर इस पर फैसला लेगी। उन्होंने कहा कि संजय निषाद की चिंता निषाद और कश्यप समुदायों के आरक्षण को लेकर नहीं है। उनकी चिंता इसलिए बढ़ गई है क्योंकि निषाद समुदाय के लोगों के बीच उनको लेकर नाराजगी बढ़ रही है। इसी नाराजगी की वजह से संत कबीरनगर में लोकसभा चुनाव के दौरान उनके बेटे को हार का सामना करना पड़ा।

बिहार के भागलपुर में दंपती की गोली मारकर हत्या, एक संदिग्ध हिरासत में

भागलपुर (एजेंसी)

बिहार के भागलपुर जिले के नवगछिया पुलिस जिला अंतर्गत इस्माईलपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार की अहले सुबह अपराधियों ने एक दंपती की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतकों की पहचान रंजन मंडल और उनकी पत्नी किरण देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में आक्रांश फैल गया। नाराज ग्रामीणों ने मौके पर पहुंची पुलिस को शव उठाने से रोक दिया और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की। मिली जानकारी के अनुसार, रंजन मंडल और उनकी पत्नी किरण देवी इस्माईलपुर हटिया में चाय-नाश्ते की दुकान चलाते थे। गुरुवार सुबह

करीब तीन-चार बजे दोनों अपनी दुकान में सो रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने हमला कर दिया। हमले में रंजन की मौके पर ही मौत हो गई। पति को गोली लगने के बाद किरण देवी जान बचाने के लिए भागने लगीं, लेकिन अपराधियों ने उन्हें भी गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल किरण देवी ने भी दम तोड़ दिया। दोनों की हत्या की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। आक्रोशित ग्रामीणों ने शवों को उठाने से रोक दिया। इसके बाद समझाने बुझाने के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए।

TRANS GLOBE NKS HOLDINGS LIMITED														
(Formerly Known as NKS Holdings Private Limited consequent Upon its name change and Conversion as well as Merger of Trans Globe Textiles Limited)														
CIN: U65993DL2006PLC156860														
Regd. Off: 47/18, Old Rajinder Nagar, Rajendera Place Metro Station,New Delhi-110060														
Email Id: nksholdings123@gmail.com, website:www.transglobenksholdingsltd.com Mobile: +91-9891095232														
Unaudited Financial Result for the Quarter and Half year Ended on 30.09.2026														
(IN LAKHS)														
S.N	Particulars	STANDALONE						CONSOLIDATED						
		Three Months Ended			SIX Months Ended		Year Ended	Three Months Ended			SIX Months Ended		Year Ended	
		CURRENT QUARTER	PREVIOUS QUARTER	CORRESPONDING QUARTER	CURRENT YEAR TO DATE	CORRESPONDING YEAR TO DATE	FIGURES FOR PREVIOUS YEAR	CURRENT QUARTER	PREVIOUS QUARTER	CORRESPONDING QUARTER	CURRENT YEAR TO DATE	CORRESPONDING YEAR TO DATE	FIGURES FOR PREVIOUS YEAR	
		01.07.2026 to 30.09.2026	01.04.2026 to 30.06.2026	01.07.2025 to 30.09.2025	01.04.2026 to 30.09.2026	01.04.2025 to 30.09.2025	01.04.2025 to 31.03.2026	01.07.2026 to 30.09.2026	01.04.2026 to 30.06.2026	01.07.2025 to 30.09.2025	01.04.2026 to 30.09.2026	01.04.2025 to 30.09.2025	01.04.2025 to 31.03.2026	
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	
1	Total Income from operations	(33.44)	35.75	-	2.31		42.73	(33.44)	35.75		2.31	-	42.73	
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exceptional items	(37.00)	15.48	(3.39)	(21.52)	(7.99)	(5,087.79)	(37.00)	15.48	(3.39)	(21.52)	(7.99)	(5,087.79)	
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exceptional items)	(37.00)	15.48	(3.39)	(21.52)	(7.99)	(5,087.79)	(75.88)	(536.99)	1,570.95	(612.87)	1,559.70	(3,674.74)	
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exceptional items)	(37.00)	15.48	(3.39)	(21.52)	(7.99)	(5,087.72)	(75.88)	(536.99)	1,570.95	(612.87)	1,559.70	(3,674.67)	
5	Total Comprehensive income/ loss for the period [comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax)]	(37.00)	15.48	(3.39)	(21.52)	(7.99)	(5,087.72)	(75.88)	(536.99)	1,570.95	(612.87)	1,559.70	(3,674.67)	
6	Paid up equity share capital	1,214.72	1,214.72	1,214.72	1,214.72	1,214.72	1,214.72	1,214.72	1,214.72	1,214.72	1,214.72	1,214.72	1,214.72	
7	Earning per share (of Rs. 10/- each) Basic & Diluted	(0.30)	0.13	(0.03)	(0.18)	(0.07)	(41.88)	(0.62)	(4.42)	12.93	(5.05)	12.84	(30.25)	
Note :														
1. The above is an extract of the detailed format of quarterly and Half year end financial results filed with the stock exchange under regulation 33 of the SEBI (Listing obligations and disclosure requirements) Regulations 2015. the full format of the quarterly and year end financial results is available on the company's website and also available on the website www.transglobenksholdingsltd.com, of MSEILimited i.e. www.mseindia.com														
2. The above unaudited standalone financial results for the quarter and half year ended on september 30, 2026 were reviewed by the Audit Committee at the meeting and approved by the Board of Directors and taken on record at the meeting held on 22-10-2026.														
For and on behalf of board of directors of TRANS GLOBE NKS HOLDINGS LIMITED DEEPU SINGH (Managing Director) DIN: 06786614														
Date : 22.10.2026 Place : New Delhi														

UTSAV SECURITIES LIMITED																			
(Formerly known as Utsav Securities Private Limited subsequent upon its conversion as well as merger with SNS Laboratories Limited)																			
RCIN : L65993DL1995PLC063997																			
Regd. Off : Office No. : 1208, 12th Floor, Vikrant Tower, Rajendra Place, Patel Nagar, New Delhi-110008																			
Email Id: utsavsecurities@gmail.com, website: https://www.utsavsecuritiesltd.com Mobile No. : +91-9891095232																			
Unaudited Financial Result for the Quarter and Half year Ended on 30.09.2026																			
(IN LAKHS)																			
S.N	Particulars	STANDALONE						CONSOLIDATED											
		Three Months Ended			SIX Months Ended			Year Ended			Three Months Ended			SIX Months Ended			Year Ended		
		CURRENT QUARTER	PREVIOUS QUARTER	CORRESPONDING QUARTER	CURRENT YEAR TO DATE	CORRESPONDING YEAR TO DATE	FIGURES FOR PREVIOUS YEAR	CURRENT QUARTER	PREVIOUS QUARTER	CORRESPONDING QUARTER	CURRENT YEAR TO DATE	CORRESPONDING YEAR TO DATE	FIGURES FOR PREVIOUS YEAR						
		01.07.2026 to 30.09.2026	01.04.2026 to 30.06.2026	01.07.2025 to 30.09.2025	01.04.2026 to 30.09.2026	01.04.2025 to 30.09.2025	01.04.2025 to 31.03.2026	01.07.2026 to 30.09.2026	01.04.2026 to 30.06.2026	01.07.2025 to 30.09.2025	01.04.2026 to 30.09.2026	01.04.2025 to 30.09.2025	01.04.2025 to 31.03.2026						
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited					
1	Total Income from operations	8.13	45.40	419.52	53.53	864.58	1,101.52	8.13	45.40	419.52	53.53	864.58	1,101.52						
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exceptional items	(50.57)	(8.85)	317.43	(59.42)	329.37	6,281.71	(50.57)	(8.85)	317.43	(59.42)	329.37	6,281.71						
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exceptional items)	(50.57)	(8.85)	317.43	(59.42)	329.37	6,281.71	(50.61)	(85.20)	317.42	(135.81)	329.34	6,206.99						
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exceptional items)	(50.57)	(8.85)	317.43	(59.42)	329.37	6,346.60	(50.61)	(85.20)	317.42	(135.81)	329.34	6,271.88						
5	Total Comprehensive income/ loss for the period (comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax))	(50.57)	(8.85)	317.43	(59.42)	329.37	6,346.60	(50.61)	(85.20)	317.42	(135.81)	329.34	6,271.88						
6	Paid up equity share capital	1,362.43	1,362.43	1,362.43	1,362.43	1,362.43	1,362.43	1,362.43	1,362.43	1,362.43	1,362.43	1,362.43	1,362.43						
7	Earning per share (of Rs. 10/- each)	(0.37)	(0.06)	2.33	(0.44)	2.42	46.58	(0.37)	(0.63)	2.33	(1.00)	2.42	46.03						
	Basic & Diluted																		
Note :																			
1. The above is an extract of the detailed format of quarterly and Half year end financial results filed with the stock exchange under regulation 33 of the SEBI (Listing obligations and disclosure requirements) Regulations 2015, the full format of the quarterly and year end financial results is available on the company's website and also available on the website www.utsavsecuritiesltd.com of MSEI Limited i.e. www.mseindia.com																			
2. The above unaudited standalone financial results for the quarter and half year ended on september 30, 2026 were reviewed by the Audit Committee at the meeting and approved by the Board of Directors and taken on record at the meeting held on 22-10-2026.																			
For and on behalf of board of directors of																			
UTSAV SECURITIES LIMITED																			
DEEPU SINGH																			
(MANAGING DIRECTOR)																			
DIN : 06786614																			
Date : 22.10.2026																			
Place : New Delhi																			

UN में सांसद अरुण भारती ने रखा भारत का पक्ष, बोले- ‘शांति निर्माण में राष्ट्रीय स्वामित्व होनी चाहिए सर्वोपरि’

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

बिहार के जमुई से सांसद अरुण भारती ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के ईसीओएसओसी चैंबर में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग (पीबीसी) और अफ्रीकी संघ शांति व सुरक्षा परिषद (एयूपीएससी) के बीच आयोजित 9वाँ वार्षिक बैठक में भारत का पक्ष का रखा। अरुण भारती संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के लिए भारत के गैर-आधिकारिक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में 19 से 23 अक्टूबर तक न्यूयॉर्क के दौर पर हैं।

अपने वक्तव्य की शुरुआत में अरुण भारती ने इस बैठक के आयोजन के लिएसंयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग (पीबीसी) और अफ्रीकी संघ शांति व सुरक्षा परिषद (एयूपीएससी) के अध्यक्षों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बैठक आपसी सहयोग, समझ और अफ्रीकी स्वामित्व व नेतृत्व को

अरुण भारती संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के लिए भारत के गैर-आधिकारिक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में 19 से 23 अक्टूबर तक न्यूयॉर्क के दौरे पर हैं। अपने वक्तव्य की शुरुआत में अरुण भारती ने इस बैठक के आयोजन के लिएसंयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग (पीबीसी) और अफ्रीकी संघ शांति व सुरक्षा परिषद (एयूपीएससी) के अध्यक्षों का आभार व्यक्त किया

मजबूत करने और राष्ट्रीय स्तर पर संचालित शांति-निर्माण प्रयासों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने 2025 की शांति निर्माण संरचना समीक्षा के जुड़वां प्रस्तावों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन प्रस्तावों ने दोनों संस्थाओं के बीच रणनीतिक साझेदारी को सशक्त करने और वार्षिक परामर्शों की सिफारिशों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए एक तंत्र बनाने का आह्वान किया था, और आज का संयुक्त विज्ञप्ति उसी दिशा में अगला कदम है। भारती ने संयुक्त क्षेत्रीय दौरों और किसी देश-विशेष के संदर्भ में सहयोग जैसी प्रस्तावित व्यावहारिक व्यवस्थाओं पर

भारत का दृष्टिकोण रखते हुए कहा कि ऐसी सभी सहयोगी व्यवस्थाएं लचीली हों, दोनों संस्थाओं के अपने-अपने अधिदेशों का सम्मान करें और पूरी तरह संबंधित देश की प्राथमिकताओं के अनुरूप हों।

उन्होंने कहा कि शांति निर्माण में ‘राष्ट्रीय स्वामित्व’ सर्वोपरि सिद्धांत होना चाहिए। शांति निर्माण की जरूरतों और प्राथमिकताओं को तय करने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित देश की सरकार की है। इसलिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहायता मांग-आधारित होनी चाहिए, जो मेजबान देश के अनुरोध और सहमति से दी जाए, उसकी प्राथमिकताओं के



अनुरूप हो, और राष्ट्रीय प्रयासों की पूरक बने, कभी उनका विकल्प नहीं। उन्होंने कहा कि यही सिद्धांत संयुक्त गतिविधियों और क्षेत्रीय दौरों पर भी समान रूप से लागू होता है। वित्तपोषण के विषय पर अरुण भारती ने संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण कोष, अफ्रीकी विकास बैंक और अन्य साझेदारों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता बताई, ताकि प्रयासों में बिखराव न हो और बाहर से थोपे गए

दृष्टिकोणों से बचा जा सके। समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के प्रश्न को रेखांकित करते हुए अरुण भारती ने कहा कि शांति तभी टिकाऊ होती है, जब वह समावेशी हो।

उन्होंने संयुक्त विज्ञप्ति में शांति निर्माण में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी को मिली मान्यता का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज मानव-केंद्रित डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना सार्वजनिक सेवाओं की

डिलीवरी को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है, जिससे जनता का भरोसा और संस्थाओं की मजबूती बढ़ती है और अंततः स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। उल्लेखनीय है कि भारत ने आधार, यूपीआई और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीपी) जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में विश्व स्तर पर उदाहरण प्रस्तुत किया है। अपने वक्तव्य के समापन में अरुण भारती ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण ‘वसुधैव कुटुम्बकः’ - अर्थात् पूरा विश्व एक परिवार है - की सभ्यतागत भावना से निर्देशित है। उन्होंने कहा कि भारत ने भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष के माध्यम से क्षमता निर्माण सहित मांग-आधारित साझेदारियों का समर्थन किया है, और भारत अपने अफ्रीकी साझेदारों की राष्ट्रीय शांति-निर्माण प्राथमिकताओं के समर्थन के लिए प्रतिबद्ध है।

फ्रांस में कर्फ्यू के बीच भारतीय दूतावास की सलाह : कहा- सतर्क रहें, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचें

लंदन (एजेंसी)

फ्रांस में जारी हिंसक प्रदर्शनों और कई शहरों में कर्फ्यू के बीच भारत ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पेरिस स्थित भारतीय दूतावास ने फ्रांस में रह रहे भारतीयों और वहां यात्रा करने की तैयारी कर रहे लोगों से सावधानी बरतने को कहा है। दूतावास ने प्रदर्शन वाली जगहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने के साथ स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। दूतावास ने बुधवार को जारी एडवाइजरी में कहा कि फ्रांस के कुछ इलाकों में लगाए गए कर्फ्यू को देखते हुए भारतीय नागरिक सतर्क रहें। उन्हें स्थानीय समाचारों और फ्रांस सरकार की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी गई है। फ्रांस में सितंबर के



आखिरी दिनों में छत्रों ने स्कूलों की खराब स्थिति, पर्याप्त संसाधनों की कमी और कक्षाओं में भीड़भाड़ के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किए थे।

धीरे-धीरे यह आंदोलन व्यापक हो गया। महंगाई, बढ़ती जीवनयापन लागत और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी चिंताओं को लेकर सरकार के खिलाफ भी विरोध तेज हो गया। प्रदर्शनों के दौरान लूटपाट, आगजनी और पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। 17 अक्टूबर को प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़कने के

बाद अधिकारियों ने पेरिस के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू लगाया। लिली, लियोन और नीस में भी स्थानीय स्तर पर कर्फ्यू लगाया गया, जबकि मार्सिले में सभाओं और प्रदर्शनों पर पाबंदियां लगाई गईं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, सप्ताहांत के दौरान हुई हिंसा में 2,400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं हिंसा के दौरान करीब 1,000 पुलिसकर्मी घायल हुए। फ्रांस के प्रमुख छात्र संघ और येलो वेस्ट आंदोलन ने शनिवार को रैलियां निकालने का आह्वान किया है। येलो वेस्ट आंदोलन ने 2018 और 2019 में ईंधन की कीमतों के खिलाफ बड़े प्रदर्शन किए थे, जिनका असर पूरे देश में देखने को मिला था। इसके अलावा, ट्रेड यूनियनों ने महंगाई और सार्वजनिक सेवाओं में कटौती के विरोध में पांच नवंबर को हड़ताल का एलान किया है।

पश्चिम बंगाल : पुलिस ने विस्फोटक से लदी कार को जब्त किया, मालिक को हिरासत में लिया

कोलकाता (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के दत्तापुकुर इलाके में पुलिस की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है।

गुरुवार को अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने दत्तापुकुर इलाके में जेसोर रोड से विस्फोटकों से लदी एक कार जब्त की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार देर रात कार को जब्त कर लिया गया और इसके मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल टास्क फोर्स, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआई), और बम डिस्पोजल स्क्वाड के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही नेशनल सिक्वोरिटी गार्ड की एक टीम भी मौके पर पहुंची है। मिली जानकारी के अनुसार, एनएसजी के जवान रात से ही उस जगह पर तैनात हैं। त्याहारों के इस मौसम में कार में



बारूद और विस्फोटक सामग्री कहां ले जाई जा रही थी, इसकी जांच की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कार कोलकाता की ओर आ रही थी। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने यह भी बताया कि कार से बरामद विस्फोटक सामग्री को फौरेसिज जांच के लिए भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जिस जगह पर विस्फोटक से लदी गाड़ी मिली, वह भारत-बांग्लादेश सीमा के काफी करीब है। यही वजह है कि

जांचकर्ताओं को इसमें विदेशी कनेक्शन होने का शक है। कार का मालिक रकीबुल इस्लाम है। उसका एक कार शोरूम भी है और उसके पास दो घर हैं। वह अपने परिवार के साथ एक घर में रहता है, जबकि दूसरा घर उसने किराए पर दे रखा है।

इस्लाम के घर की भी जांच की गई और उसके परिवार के सदस्यों से पूछताछ की गई। विजयादशमी की रात को बरामदगी होने से इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। पुलिस

सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर : सीएम



ओपन सर्व. संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिरपुर को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल किया जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला, आध्यात्मिकता और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर है। प्राचीन काल से ही सिरपुर शिक्षा, संस्कृति, धर्म और स्थापत्य कला का महत्वपूर्ण केंद्र रहा

विरासत भी, विकास भी’ के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को मिल रही वैश्विक पहचान

है। यहां की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत छत्तीसगढ़ के गौरवशाली अवतीत और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की जीवंत पहचान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में ‘विरासत भी, विकास भी’ के संकल्प के साथ देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण,

हांगकांग सिक्सेस : इंग्लैंड ने किया टीम का ऐलान, जॉन सिम्पसन को सौंपी कप्तानी

हांगकांग (एजेंसी)

इंग्लैंड ने हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। ससेक्स क्रिकेट क्लब के कप्तान और विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉन सिम्पसन को इस टूर्नामेंट के लिए कप्तान बनाया गया है। यह टूर्नामेंट 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। हांगकांग सिक्सेस में मैदान पर छह खिलाड़ी होते हैं और हर पारी में छह ओवर फेंके जाते हैं।

यह टूर्नामेंट आक्रामक क्रिकेट, तेजी से रन बनाने और खिलाड़ियों के हर विभाग (बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग) में योगदान देने पर आधारित है। सिम्पसन सात सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें एडवर्ड बर्नाई, फिन हडसन-प्रेटिस, जैक कार्सन, मार्टिन एंडरसन, डैनियल मौस्ली और नाथन गिलक्रिस्ट शामिल हैं। इस टीम में नेतृत्व के अनुभव के साथ-साथ वह ऑलराउंड क्षमता भी है, जो हांगकांग सिक्सेस जैसे हाई-स्कोरिंग और रोमांचक फॉर्मेट में सफल होने के लिए जरूरी है। इंग्लैंड को ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया और हांगकांग (चीन) के साथ रखा गया है। टीम 2025 में

सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश : अनाहत सिंह ने 8 बार की वर्ल्ड चैंपियन नूर एलशेरबिनी को हराया



रेडवुड सिटी (एजेंसी)

महिलाओं की वर्ल्ड नंबर 15 अनाहत सिंह ने रेडवुड सिटी (यूएस) में सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के क्वांटेर फाइनल में जगह बनाने के लिए मिश की आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन नूर एलशेरबिनी को सीधे गेमों में हराया। अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए, 18 साल की अनाहत ने यूएसडॉ 143,500 पीएसए गोल्ड इवेंट के दूसरे राउंड में टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर 3 एलशेरबिनी को 30 मिनिट में 11-8, 11-8, 11-7 से हराया। जीत के

बुकायो साका की चोट को मैनेजर आर्टेटा ने बताया गंभीर, बायर्न म्यूनिख के खिलाफ टीम के प्रदर्शन को सराहा

म्यूनिख (एजेंसी)

बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के बीच खेला गया चैंपियंस लीग मैच 2-2 से ड्रा रहा। इस मैच के 10वें मिनट में विंगर बुकायो साका को मैदान से बाहर जाना पड़ा। आर्सेनल के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने कहा कि साका की चोट बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है। काई हावर्टज ने एक खतरनाक स्थिति में साका की तरफ गेंद बर्बाई, लेकिन बायर्न के डिफेंस ने उन्हें घेर लिया।

यह साका का इस मैच में आखिरी योगदान साबित हुआ, क्योंकि 9 मिनट बाद ही उन्हें चोट (बिना किसी टक्कर के) के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह एक्से एंजे मैदान पर आए। आर्टेटा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ‘यह उनकी जांच की चोट है। यह मैच की शुरुआत में ही हो गई थी। उनके खेल में जिस स्तर की तीव्रता की जरूरत



होती है, वह वाकई कमाल की है। इसमें बेहतरीन क्वालिटी, ताकत और पूरे ध्यान की जरूरत होती है, जो कि उच्चतम स्तर पर होना चाहिए। हालांकि, दुर्भाग्य से, ऐसी चीजें हो जाती हैं। यह बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है, लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि आगे क्या होता है। जब उसे पूछा गया कि क्या साका की चोट से अन्य अट्रैकिंग खिलाड़ियों को मौके मिलेंगे, तो आर्टेटा ने कहा, ‘मैं अपने सभी

फॉरवर्ड खिलाड़ियों से बहुत प्रभावित हूं। मुझे लगता है कि एंजे ने बहुत अच्छा खेल दिखाया, न सिर्फ गोल किया, बल्कि उनके बाकी एक्शन, कुल प्रदर्शन और बिना गेंद के भी उनका खेल शानदार रहा।

जब बाकी खिलाड़ी मैदान पर आए, तो उन्होंने टीम में ऊर्जा भरी और मैच से कुछ हासिल करने के लिए जरूरी चीजें प्रदान कीं। इसी कारण मैं एक बार फिर बहुत खुश हूं। हेरी केन ने लगातार 10वें चैंपियंस



जिससे उनका गोल्ड मेडल जीतने का सपना खतरे में पड़ गया था। हालांकि, 18 वर्षीय शीतल ने

जोरदार वापसी की और लगातार दो बार परफेक्ट स्कोर (30 अंक) हासिल करके मुकाबले पर फिर से

खेल-खिलाड़ी

यह टूर्नामेंट 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। हांगकांग सिक्सेस में मैदान पर छह खिलाड़ी होते हैं और हर पारी में छह ओवर फेंके जाते हैं। यह टूर्नामेंट आक्रामक क्रिकेट, तेजी से रन बनाने और खिलाड़ियों के हर विभाग (बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग) में योगदान देने पर आधारित है



के बाएं हाथ के बल्लेबाज और ऑफ-स्पिन गेंदबाज डैनियल मौस्ली के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। वह इंग्लैंड के लिए वनडे और टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं। वह पिछले साल हांगकांग सिक्सेस में इंग्लैंड की टीम का हिस्सा भी थे। ससेक्स के ऑलराउंडर फिन हडसन-प्रेटिस टीम को सीम बॉलिंग और बल्लेबाजी में गहराई देते हैं, जबकि जिम्बाब्वे में जन्मे वार्विकशायर के तेज गेंदबाज नाथन गिलक्रिस्ट टीम केस पेस अटैक को मजबूती देंगे। इंग्लैंड की टीम की घोषणा पर टिप्पणी करते हुए क्रिकेट हांगकांग, चीन के कमर्शियल और

मार्केटिंग डायरेक्टर अनुराग भटनागर ने कहा, इंग्लैंड अपने साथ क्रिकेट की समृद्ध विरासत और काउंटी क्रिकेट के कुछ बेहतरीन ऑलराउंड टैलेंट को हांगकांग सिक्सेस 2026 में ला रहा है। यह टूर्नामेंट क्रिकेट के रोमांच, मनोरंजन और तेज रफ्तार वाले स्वरूप का जश्न मनाता है और जॉन सिम्पसन की कप्तानी वाली यह टीम इस खेल के रोमांच को और बढ़ाएगी। हम इस टीम का स्वागत करने और प्रशंसकों को क्रिकेट का एक यादगार अनुभव देने के लिए उत्सुक हैं। हांगकांग सिक्सेस अपने अनोखे फॉर्मेट के लिए जाना जाता है।

इसमें 6-6 खिलाड़ियों की टीमें एक बेहद रोमांचक मुकाबले में आमने-सामने होती हैं, जिसमें जोरदार हिटिंग, नई तरह की गेंदबाजी और लगातार एक्शन देखने को मिलता है। 2026 के इस संस्करण में युनिया भर की टीमों हिस्सा लेंगी, जो प्रशंसकों के लिए इस खेल का एक शानदार उत्सव साबित होगा। हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए इंग्लैंड की टीम: जॉन सिम्पसन (कप्तान), एडवर्ड बर्नाई, फिन हडसन-प्रेटिस, जैक कार्सन, मार्टिन एंडरसन, डैनियल मौस्ली, नाथन गिलक्रिस्ट।

गुजरात स्टेट टेबल टेनिस चैंपियनशिप : विवान दवे ने अंडर-17 और अंडर-19 कैटेगरी में गोल्ड जीता

अहमदाबाद (एजेंसी)

चौदह साल के टेबल टेनिस खिलाड़ी विवान दवे ने 16 से 20 अक्टूबर तक गांधीधाम में हुई गुजरात स्टेट टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 में अंडर-17 और अंडर-19 कैटेगरी में गोल्ड जीता। दो अलग-अलग आयु वर्गों में जीते गए खिताब विवान दवे के टेबल टेनिस में बढ़ते दबदबे को दिखाते हैं। विवान दवे अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के ‘गर्व है’ एथलीट रोस्टर का हिस्सा हैं। अपने से अधिक उम्र के विपक्षी खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करते हुए डबल गोल्ड जीतकर विवान ने अपने अद्भुत खेल कौशल का परिचय दिया है।

वह पहले अंडर-15 कैटेगरी में भारत में दूसरे स्थान पर थे। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कॉम्पिटशन में अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना जारी रखा है। इस साल की शुरुआत



में, विवान ने कानपुर में यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अंडर-17 कैटेगरी में गोल्ड जीता था। इंटरनेशनल सर्किट पर, उन्होंने उलानबटार में डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेडर में अंडर-15 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता और फिर ताशकंद में डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेडर में उसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनकी उपलब्धियों में 2025 में यूटीटी 87वीं इंटर-स्टेट

सब-जूनियर और कैडेट नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में डबल-गोल्ड परफॉर्मेंस भी शामिल है, जहां उन्होंने अंडर-15 इंडिविजुअल और टीम टाइटल जीते। पांच साल की उम्र में टेबल टेनिस खेलना शुरू करने के बाद, विवान ने ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने और देश के लिए गोल्ड जीतने का लक्ष्य बनाया है। अपनी ‘गर्व है’ पहल के जरिए,

एशियन पैरा गेम्स : संजना और अभिजीत ने जीता ब्रॉन्ज, नितेश-तुलसिमथी की जोड़ी ने कटाया फाइनल का टिकट

नागोया (एजेंसी)

एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत ने पैरा बैडमिंटन में अपने पदकों की संख्या बढ़ाई है। संजना कुमारी और अभिजीत सखुजा ने ब्रॉन्ज मेडल जीते, जबकि पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार, नवीन शिवकुमार और नितेश-तुलसिमथी मुरोेसन की मिक्स्ट डबल्स जोड़ी अपने-अपने फाइनल में पहुंच गई है। संजना कुमारी ने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में अपने पहले ही प्रयास में गोडियम तक जगह बनाई और महिला सिमल्स एसएलउ3 स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

सेमीफाइनल में भारतीय शटलर का समीना जापान की शिनो कावाई से हुआ, लेकिन उन्हें और 7-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, एशियन पैरा गेम्स में अपना डेब्यू कर रहे नवीन ने पुरुष सिमल्स एसएल4 सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने ही देश के

रणजी ट्रॉफी राउंडअप : हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई की जीत, पंजाब भी जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)

मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच में हिमाचल प्रदेश को पारी और 97 रन से हराकर बोसस अंक के साथ लगातार दूसरी जीत दर्ज की। रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मुकाबले में कई मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए, लेकिन मुंबई और पंजाब ने जीत दर्ज की। पहली पारी आठ विकेट पर 528 रन पर घोषित करने के बाद मुंबई ने पहली पारी में हिमाचल को 140 रन पर ढेर करके फॉलोऑन के लिए मजबूर किया और फिर दूसरी पारी में भी टीम को 291 रन पर ढेर करके आसान जीत दर्ज की। दूसरी पारी में मुंबई की ओर से तेज गेंदबाज मोहित अवस्थी ने 44 रन देकर पांच विकेट चटकाए, जबकि तुषार देशपांडे और शम्स मुलानी को दो-दो विकेट मिले।

तेज गेंदबाज सिलवेस्टर डिप्पूजा ने एक विकेट हासिल किया। हिमाचल की ओर से कप्तान पुष्पाग्र मान ने 50 जबकि वैभव काल्ता ने 63 रन का योगदान दिया। हिमाचल की टीम आंतिम दिन तीन विकेट पर 144 रन से आगे खेलने उतरी जिसके बाद मान और काल्ता ने अर्धशतक पूरे किए। पहले मैच में चंडीगढ़ को पारी और 155 रन से हराते वाली मुंबई की टीम दो मैच में 14 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है।



राजस्थान ने रेलवे से खेला ड्रॉ
जयपुर में मेजबान राजस्थान को रेलवे ने ड्रॉ पर रोका। राजस्थान ने हालांकि पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। राजस्थान ने पहली पारी में 497 रन बनाए थे और फिर रेलवे को 338 रन पर समेटकर 159 रन की बढ़त के आधार पर मेहमान टीम को फॉलोआन दिया।

रेलवे ने जब दूसरी पारी में दो विकेट पर 174 रन बनाए थे जब मैच ड्रॉ घोषित किया गया। दूसरी पारी में रेलवे के लिए मोहम्मद सैफ ने नाबाद 103 जबकि ईशान गोयल ने नाबाद 57 रन बनाए। इससे पहले ग्रुप के अन्य मुकाबलों में तमिलनाडु ने उत्तराखंड को पारी और 66 रन जबकि हरियाणा ने चंडीगढ़ को पारी और 24 रन से हराया। सि्मन हरजस सिंह और एमनजोत सिंह के तीन तीन विकेट की मदद से पंजाब ने रणजी

ट्रॉफी ग्रुप बी के मैच में बुधवार को छत्तीसगढ़ को सात विकेट से हराया। पहली पारी में 456 रन बनाने के बाद पंजाब ने छत्तीसगढ़ को 206 रन पर आउट करके फॉलोआन खेलने पर मजबूर किया। छत्तीसगढ़ ने दूसरी पारी में 335 रन बनाए जिससे पंजाब को जीत के लिए 86 रन का लक्ष्य मिला।

छत्तीसगढ़ के लिए आधुप पांडे ने 252 गेंद में 111 रन बनाए, जबकि अमनदीप खरे भी अर्धशतक जमाकर रियायर्ट हट हुए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की। पंजाब के लिए हरजस ने 92 रन देकर और एमनजोत ने 43 रन देकर तीन तीन विकेट लिए। पंजाब ने 16.5 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दूसरी पारी में भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने बल्लेबाजी नहीं की। पहली पारी में उन्होंने एक रन बनाया था।

एशियन पैरा गेम्स : महिला कर्मचारी से छेड़छाड़ के आरोप में भारतीय तैराक को वापस भेजा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)

जापान के आइची-नागोया में आयोजित हो रहे एशियन पैरा गेम्स-2026 में हिस्सा लेने पहुंचे भारतीय पैरा तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख को होटल की एक महिला कर्मचारी के साथ छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के आरोप में भारत वापस भेज दिया गया है। शम्स को बुधवार को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक इवेंट में हिस्सा लेना था। लेकिन, सोमवार को फोर पॉइंट्स बाय शेरटन होटल में यह घटना हुई।

नेपाली मूल की एक महिला हाउसकीपिंग स्टॉफ ने शिकायत की कि शम्स ने उन्हें गलत तरीके से छूने और टटोलने की कोशिश की। इसके बाद महिला कर्मरे से बाहर भागी और अपने सीनियर से शिकायत की। घटना के तुरंत बाद आलम को जापान की पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसके बाद शम्स को भारत भेजने का फैसला पैरालंपिक कमेट्री ऑफ इंडिया



(पीसीआई) ने लिया। घटना के बाद पीसीआई शम्स पर आजीवन प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है, तो 40 वर्षीय इस तैराक का करियर समाप्त हो सकता है। खेलों के बाद मामले की समीक्षा की जाएगी और उसके बाद औपचारिक निर्णय लिया जा सकता है। किसी फैसले से पहले पीसीआई मोहम्मद शम्स आलम शेख का पक्ष सुनेगी। जानकारी के मुताबिक, होटल और आयोजकों ने भारत द्वारा शेख पर की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी मांगी है। पैरा-तैराक को मिलने वाली सजा के आधार पर, जापान के अधिकारी और होटल प्रबंधन आगे की कार्रवाई तय करेंगे।



खिलाड़ी अभिजीत को 21-13, 21-15 से हराकर गोल्ड मेडल मैच में अपनी जगह पक्की की। इस जीत के साथ नवीन अब गोल्ड मेडल के प्रबल दावेदार बन गए हैं, जबकि इस मुकाबले के बाद अभिजीत को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। दूसरी ओर, नितेश ने इंडोनेशिया के इमरान मुह अल को सीधे गेमों में हराकर पुरुष सिमल्स एसएलउ3 के फाइनल में प्रवेश किया। पहले गेम में कड़ मुकाबला देखने को मिला, जिसमें नितेश ने

संयम दिखाते हुए 21-19 से जीत हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में उन्होंने अपना खेल और बेहतर किया और 21-16 से जीत दर्ज की।

दूसरे गेम में नितेश ने खेल पर पूरा नियंत्रण रखा और अपने अनुभव व कौशल का प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया। इसके साथ ही वह एक और बड़े खिताब की ओर कदम पहुंच गए हैं। अब वह गोल्ड मेडल के लिए मुकाबला करेंगे और नागोया में अपने शानदार प्रदर्शन को

एशियन पैरा गेम्स : प्रमोद-मनीषा और एलवाई सुहास ने जीता ब्रॉन्ज, खेल मंत्री ने दी बधाई

नागोया (एजेंसी)

पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भागत और मनीषा रामदास ने गुरुवार को यहां इंडोनेशिया के लानी राजी ओविर्टला और जिकमत रामदानी के खिलाफ कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में मिक्स्ट डबल्स एसएलउ3-एसयू5 इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने एक्स पर प्रमोद और मनीषा को बधाई दी है। उन्होंने लिखा, ‘प्रमोद भागत और मनीषा रामदास के एशियन पैरा गेम्स 2026 में बैडमिंटन मिक्स्ट डबल्स एसएलउ3-एसयू5 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बहुत-बहुत बधाई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम



21-16 से जीता, लेकिन इंडोनेशियाई जोड़ी ने वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-13, 21-17 से जीत लिए।

करीबी मुकाबले वाले निर्णायक गेम के बावजूद, इंडोनेशियाई जोड़ी ने हिम्मत बनाए रखी और मैच अपने नाम कर लिया। भागत और रामदास ब्रॉन्ज मेडल के साथ पोंडियम पर रहे।

डिजिटल क्रिएटर से एक्ट्रेस बनने तक का सफर, प्राजक्ता कोली बोलीं- 'दर्शकों का प्यार देता है कॉन्फिडेंस'



एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डे' में डिजिटल फ्लिटर से फिल्मों तक के अपने सफर और दर्शकों से मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े लोगों की वजह से उन्हें प्रोफेशनल लाइफ में एक अलग तरह का कॉन्फिडेंस मिलता है। एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने कहा कि जब वह बड़े कलाकारों के साथ फिल्मों में काम करती हैं, तो उनके मन में यह चिंता नहीं रहती कि दूसरे लोग उन्हें पसंद करेंगे या नहीं। इसके बजाय वह चाहती हैं कि जो दर्शन उनका और फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, उन्हें भी उनका काम पसंद आए। प्राजक्ता ने कहा, ज्यादातर जगहों पर मैं थोड़े कॉन्फिडेंस के साथ जाती हूँ, क्योंकि सोशल मीडिया पर मेरी अपनी कम्युनिटी है। मैं यहाँ बात विनम्रता के साथ करना चाहती हूँ कि मुझे जो काम मिलता है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूँ। जब मैं 'जुगजुग जिओ' कर रही थी, तब वह मेरी सबसे बड़ी फिल्म थी। उसमें बड़े कलाकार और शानदार स्टायकाशी थी। लेकिन, मेरे दिमाग में यह नहीं था कि पता नहीं वे लोग मुझे पसंद करेंगे या नहीं। उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यह थी कि जो लोग फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, वे मुझे पसंद करेंगे।' मैं चाहती थी कि दर्शकों को मेरा काम अच्छे लगे, लेकिन इसके लिए दूसरे कलाकारों की अभिनय कम नहीं होनी चाहिए।' प्राजक्ता ने बताया कि 'जुगजुग जिओ' के सेट पर अनिल कपूर, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी, करण जोहर, मनीष पॉल और वरुण धवन समेत सभी लोगों ने उनके साथ अच्छे व्यवहार किया। एक्ट्रेस ने कहा, डिजिटल प्लेयरों पर दर्शकों से मिले प्यार ने मुझे फिल्मों में काम करते समय भी आत्मविश्वास दिया। मेरे लिए यह जरूरी है कि मैं अपने काम से उन लोगों का दिल सँकूँ, जो लंबे समय से मुझे फॉलो कर रहे हैं और अलग प्लेयरों पर मेरे काम को देखते हैं। (एजेंसी)

अनुष्का सेन बनीं भारत की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर,
कहा- 'दुनियाभर में सुनी जानी चाहिए हमारी कहानियां'



नजरूत नहीं है। आप कहा से आते हैं, यहाँ आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकता है। आपके सपने कभी भी आपके हालात की वजह से सीमित नहीं होने चाहिए। अनुकूलता लगातार इंटरनेशनल एंटरप्रेन्योर की दुनिया में नए मौके तलाश रही है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि उनका सफर दूसरे ज्वाओं की कभी अपने सपनों पर भरोसा करने और लोबल प्लेयरों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, 'मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूँ कि मुझे यह अनुभव मिल रहा है। मैं चाहती हूँ कि ज्यादा से ज्यादा ज्वा भारतीयों को लोबल प्लेयरों पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिले। अगर मेरी सफर से किसी एक इंसान को भी खुद पर भरोसा करने और अपने सपनों की तरफ पहला कदम बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है, तो यह मेरे लिए बहुत मायने रखेगा।' वेट्रेस ने कहा कि उनसे लिए असली कायाबली भारतीय कलाकारों को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान बनाते देवना है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए असली उपलब्धि भारतीय टैलेंट को लोबल स्टेज पर अपनी जगह बनाते देवना है। मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है और मैं चाहती हूँ कि यह मौका सिर्फ मेरे लिए नहीं बल्कि मुझसे बड़े किसी चीज के लिए भी मायने रखे। (एसीसी)



कभी अनुष्का शमा के इंटरव्यू संभालने वाली परिणीति चोपड़ा ऐसे बनीं बड़ी बॉलीवुड स्टार

बॉलीवुड अभिनेत्री परीणीति चोपड़ा यानी की 22 अक्टूबर को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर में कई उत्तार चढ़ाव देखे हैं। हालाँकि अभिनेत्री ने अपने लोगों के और खुबसूरती से एंजा के दिलों में अपनी खास जगह बनाई है। लेकिन बहुत कम लोगों को जानकारी बड़े पर्दे पर कदम रखने से पहले वह यशराज फिल्मस की मार्केटिंग टीम का हिस्सा थी। एक समय पर वह बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के मीडिया इंटरव्यू को सम्भालती थीं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर एकदूस परीणीति चोपड़ा को जूझने पर कुछ रोचक बातों के बारे में... हरियाणा के अंबाला में

22 अक्टूबर 1988 को परिणीति चोपड़ा का जन्म हुआ था। परिणीति पढ़ाई में काफी अच्छी थीं, इसलिए वह इन्वैस्टमेंट बैंकर बनने का सपना देखती थीं। इसके लिए परिणीति ने ब्रिटेन के मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल से बिजनेस, फाइनेंस और इकोनॉमिक्स में पढ़ाई की। इस एग्जैम्स के मैनेजर करती थीं इंटरव्यू हालांकि आर्थिक मंदी के कारण परिणीति को भारत लौटना पड़ा। जिसके बाद परिणीति अपनी बहन और बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के संपर्कों के माध्यम से यशराज फिल्मस के पब्लिश रिलेशंस और मार्केटिंग विभाग से जुड़ गईं। यशराज फिल्मस में काम

करते हुए परिणीति चोपड़ा फिल्म 'बैड बाजा बारात' के प्रमोशन से जुड़े कई काम संभालते। इस दौरान वहअभिनेत्री अनुष्का शर्मा के इंटरव्यू भी मैनेज करती थीं। हालांकि परिणीति ने यह कह भी नहीं सोचा था कि एक समय पर वह खुद भी अभिनेत्री बनकर बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। मार्केटिंग के काम करते के दौरान उनके फिल्म इंडस्ट्री के रचनात्मक पहलुओं को काफी करीब से जानने का मौका मिला। इस तरह से परिणीति की धीर-धीरे अभिनय में दिलचस्पी बढ़ने लगी। साल 2011 में परिणीत चोपड़ा ने फिल्म 'लेडीज वरसे रिकी वहेल' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। फिर साल 2012 में वह

फिल्म 'इश्कजादे' में नजर आई। इस फिल्म में वह अभिनेता अर्जुन खुर्रू के अपोज़ाइट थे। फिर उन्होंने 'कूट देसी रोमांस', 'हंसी तो फंसी', 'दावत-ए-इश्क' और 'मेरी प्यारी बिंदु' जैसी फिल्मों में काम किया। फिर फिल्म 'अमर सिंह चमकौला' में परीणीत के काम को काफी पसंद किया गया था। अभिनेत्री परीणीत चोपड़ा ने आप पार्टी नेता और सांसद राघव चड्ढा को लंबे समय तक डेट किया और फिर 13 नवंबर 2023 में सगाई कर ली। इसके बाद 24 सितंबर 2023 में राघव चड्ढा और परीणीत चोपड़ा ने उडुपुर् में पारंपरिक रीज-रिवाजों से शादी कर ली। वहीं कपल का एक बेटा नीर चड्ढा है। (एफसी)

भारत-यूरोप समझौते का लाभ उठाने के लिए घरेलू कंपनियों को रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत : फिक्की

बर्लिन (एजेंसी)

भारतीय कंपनियों को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का पूरा लाभ उठाने के लिए यूरोपीय बाजार के प्रति अधिक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है, क्योंकि केवल शुल्क में रियायतों से निर्यात में वृद्धि नहीं होगी। उद्योग मंडल फिक्की के महासचिव अनंत स्वरूप ने बृहस्पतिवार को कहा कि असली चुनौती बाजार तक बेहतर पहुंच को लगातार बाजार में अपनी पैठ बढ़ाने में बदलने की होगी।

उन्होंने कहा कि जनवरी में संपन्न हुआ यह समझौता भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए यूरोपीय बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का अभूतपूर्व अवसर प्रस्तुत करता है, लेकिन केवल शुल्क में रियायतों से निर्यात में वृद्धि नहीं होगी। उन्होंने कहा, “भारतीय कंपनियों को यूरोपीय बाजार के प्रति



अधिक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। इसमें उन उत्पादों की पहचान करना, (जिन पर शुल्क संबंधी लाभ महत्वपूर्ण है), यूरोपीय खरीदारों के साथ संबंध बनाना, उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर करना और यूरोपीय आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ना शामिल है।¹¹ स्वस्थ, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ यहां दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे हैं। भारत और जर्मनी के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ा देने के लिए

यह यात्रा की जा रही है। जर्मनी यूरोपीय संघ (ईयू) में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
 — उन्होंने कहा कि एएसएसएआई बड़ी भारतीय और यूरोपीय कंपनियों के आपूर्तिकर्ता बनकर भी लाभ उठा सकते हैं। विशेष रूप से कपड़ों, चमड़ा, इंजीनियरिंग कलत्रुपुं, रसायन और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों जैसे क्षेत्रों में ऐसा किया जा सकता है। — उन्होंने कहा कि यूरोपीय मानकों का अनुपालन निर्यात में सफलता तय

करने वाले सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक बना रहा। पिछकी दौर में महासक्ति का संस्था ही कहा, "भारत को विशेष रूप से प्रमुख निर्यात केंद्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त परीक्षा प्रयोगशालाओं और प्रमाण सुविधाओं का विस्तार करके चाहिए। भारतीय और यूरोपीय अनुसंधान अकालन निकायों के बीच अधिक सहयोग से दोहराव, लागत और देरी कम करने में मदद मिल सकती है।" उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय कर्पणियों को तत्काल शुल्क संबंधी लाभों से आगे बढ़कर इस समझौते को देखना चाहिए, क्योंकि इससे भारत में यूरोपीय निवेश को बढ़ावा मिल सकता है, प्रौद्योगिकी साझेदारियों को प्रोत्साहन मिल सकता है, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकरण मजबूत हो सकता है और निर्यात बाजारों में विविधता लाने में मदद मिल सकती है।

शिशु आहार के कथित 'अवैध' प्रचार को लेकर नेस्ले इंडिया, एबॉट समेत पांच को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)



नियामक के अनुसार, यह मामला इरा फातिमा के इंस्टाग्राम खाते पर पोस्ट की गई एक रील से जुड़ा है।

इसमें शिशुओं के लिए 'फॉर्मूला दूध' के पांच उत्पादों की सूची दी गई थी और उनकी सिफारिश की गई थी। इन उत्पादों में नैन-प्रो 1, एटामिल प्रीमियम 1, सिमिलैक एडवांस 1,

एनाफमिल ए प्लस स्टेज 1 और डोसोलेक 1 शामिल हैं। प्रचार सामग्री में इन उत्पादों के सेवन से संतुलित पोषण मिलने, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने, मस्तिष्क के विकास और आसानी से पचने जैसे लाभ होने का दावा किया गया था। एफएएसएआई ने कहा कि शिशुओं के लिए दूध के विकल्पों का यह प्रचार कथित तौर पर शिशु दूध विकल्प, आहार एवं शिशु अहार (उपादन, आपूर्ति और वितरण का नियंत्रण) अधिनियम, 1992 का उल्लंघन करता है। इस कानून में 2003 में संशोधन किया गया था।

नई दिल्ली (एजेन्सी)

डिजिटल कस्टमर एक्सपीरियंस और बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट सॉल्यूशन प्रदान करने और विभिन्न उद्योगों को तकनीकी सेवाएं देने वाली कंपनी फ्यूजन सीएक्स लिमिटेड के शेयरों ने गुरुवार को स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 289 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 1.04 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 292 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 5.54 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 305 रुपये

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर
सितंबर में बढ़कर 7.9 प्रतिशत पर

नई दिल्ली (एजेंसी)

लौह अयस्क, बिजली और सीमेंट क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में सितंबर 2026 में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। नई श्रृंखला में यह अन्तक की सबसे तेज वृद्धि है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बुनियादी उद्योगों का उत्पादन पिछले साल सितंबर में 3.1 प्रतिशत और अगस्त 2026 में 5.9 प्रतिशत बढ़ा था।

आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में लौह अयस्क का उत्पादन सालाना आधार पर 18.4 प्रतिशत, बिजली का 11.4 प्रतिशत, कोयले का 10.7 प्रतिशत और रिफाइनरी उत्पादों का 10.3 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान सीमेंट उत्पादन में 9.8 प्रतिशत और इस्पात उत्पादन में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। हालांकि, समीक्षाधीन महीने

में ऊर्जक उत्पादन 11.7 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का उत्पादन 4.6 प्रतिशत और कच्चे तेल का उत्पादन 1.4 प्रतिशत घट गया। मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन वृद्धि दर 5.1 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष का समान अवधि में यह 2.5 प्रतिशत थी।

नई श्रृंखला जून में शुरू की गई थी। इसमें आधार वर्ष बदलकर 2022-23 किया गया और लौह आयातों को शामिल करने के साथ बुनियादी उद्योगों की संख्या आठ से बढ़ाकर नौ कर दी गई। इस बीच, कच्चा लौह अयस्क आयातों की संख्या में वृद्धि व्यापक स्तर पर रही। नौ में से सात क्षेत्रों ने आयातों की तुलना में सितंबर में बेहतर प्रदर्शन किया। सिंगर और सीएन ऐसे क्षेत्र रहे जिनके प्रदर्शन में स्थिरता नहीं आई।

स्टॉक मार्केट में पथूजन सीएक्स की मजबूत शुरुआत



के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 312.95 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये 292 रुपये के स्तर तक नीचे

गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद शेयर 299.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अर्ध-वार्षिक के कारोबार में कंपनी के

आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 10.10 रुपये यानी 3.49 प्रतिशत का फायदा हो गया है। इस कंपनी का 702 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 अक्टूबर के बीच सभ्यक्रियण के लिए खुला था।

इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छे रिसर्गस मिला था, जिसके कारण ये ओवरआल 4.68 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इन्फोक्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (न्यूआईआई) के लिए रिजर्व पोर्सेज 4.21 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नौ इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (पुनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्सेज में 4.73 गुना सभ्यक्रियण आया था। इसके अलावा

पेटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोली
5.99 गुना समझौता हुआ था। इस
वैधता के तहत एक लाख 50
वैधता वाले कुल 2,42,90,65
शेयर जारी किए गए हैं। इसमें लगभग
500 करोड़ रुपये के 1,73,01,03
शेयर जारी किए गए हैं, जबकि
लगभग 202 करोड़ रुपये के
69,89,618 शेयर ऑफर फॉर से
(आपफ्रस) विंडो के जरिये बे
गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों व
बिक्री से जुटाए गए पैसे का
इस्तेमाल करना वॉर्किंग कैपिटल
जरूरतों को पूरा करने, पुनर्निर्माण
कोजों को कम करने, आईपीओ
जुड़ खोजों की भरपाई करने और
अन्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेंगे।